कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.ac.in
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 15.05.2025

/प्रेस विज्ञप्ति/

कन्या महाविद्यालय में
फेकल्टी डेव्लपमेन्ट प्रोग्राम का आयोजन

शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में श्री अरविन्दों योगा एण्ड नॉलेज फाऊण्डेशन दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय फेकल्टी डेव्लपमेन्ट प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता प्रो0 रविन्द्र ब्रम्हे, भारतीय ज्ञान परम्परा डायरेक्टर, पं0 रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ0 रंजना श्रीवास्तव, विशेष अतिथि श्री भूपेन्द्र कुलदीप, रजिस्ट्रार हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग, डॉ0 इन्द्राणी घोष फाऊण्डर एण्ड ट्रस्टी श्री अरविन्दो योगा एण्ड नॉलेज फाऊण्डेशन दुर्ग उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 रंजना श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा हमारी शिक्षा से जुड़ी हुई है। इनसे हमें अधिक से अधिक प्रेरणा ग्रहण करनी चाहिए। जिससे कि भविष्य में बेहतर परिणाम प्राप्त हो सके। हमारे पूर्वजों के जो अनुभव हैं, उस अनुभव का हमें लाभ उठाना चाहिए। भारतीय ज्ञान परम्परा विज्ञान से जुड़ी हुई तथ्यों पर आधारित है, जिसे उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से विस्तार से बताया। डॉ0 इन्द्राणी घोष ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में हमारे देश के ऋषि मुनियों का विशेष योगदान है। उनके द्वारा दिए गए आयुर्वेद, मनोविज्ञान का ज्ञान हमारे देश की जनता में संस्कार, प्रगति, ऊर्जा को बढ़ाने में सहायक हैं। उनके द्वारा दी गई दिव्यशक्तियां हमें ऊर्जावान, ज्ञानवान बनाती है। श्री भूपेन्द्र कुलदीप ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा भारत में ही नहीं अपितु विश्व में प्रसिद्ध है। भारतीय ज्ञान परम्परा छात्राओं के चरित्र निर्माण में अत्यंत उपयोगी है। गुरू एवं शिक्षक होने के नाते हम सबका दायित्व है कि छात्र–छात्राओं को ऐसा ज्ञान प्रदान करें जो देश, समाज के विकास के साथ उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में सहायक बने। प्रो0 रविन्द्र ब्रम्हे ने कहा कि तकनीकि उन्नति, नवाचार के द्वारा ही कोई भी देश आर्थिक रूप से सशक्त हो सकता है तथा उन्होंने भारतीय ज्ञान के महत्व को प्रतिपादित करते हुए कहा कि यहां की परम्परा इतनी समृद्ध है कि हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था के साथ जोड़कर भारत के प्रत्येक नागरिक को संस्कारवान बनाया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ0 अनिल जैन, डॉ0 अमिता सहगल, डॉ0 मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ0 के0 एल0 राठी, डॉ0 किरण बाला पटेल, डॉ0 सुषमा यादव, डॉ0 मुक्ता बाखला, डॉ0 यशेश्वरी ध्रुव, डॉ0 मोनिया राकेश, डॉ0 अनुजा चौहान, श्रीमती ज्योति भरणे, श्रीमती वंदना बंजारे, डॉ0 लता मेश्राम, डॉ0 एम0 लक्ष्मी प्रसूना एवं अतिथि प्राध्यापक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुश्री भूमिका डांगे ने किया तथा आभार प्रदर्शन कार्यक्रम की संयोजिका डॉ0 रेशमा लाकेश ने किया।

टीप *– छात्रहित में प्रकाशन हेतु निवेदित।*

(डॉ0 रंजना श्रीवास्तव)
प्रभारी प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ0ग0)

फेकल्टी डेव्लपमेन्ट प्रोग्राम का आयोजन